अभ्यास – 1; जमा करने की तारीख : 16 अगस्त की क्लास के पहले तक

नीचे दी गई कविताएँ ध्यान से पढ़ें -

1. **बेचैन चील** (https://www.hindwi.org/kavita/bechain-cheel-gajanan-madhav-muktibodh-kavita)
- गजानन माधव मुक्तिबोध

बेचैन चील!!
उस-जैसा मैं पर्यटनशील

प्यासा-प्यासा,
देखता रहूँगा एक दमकती हुई झील

या पानी का कोरा झाँसा
जिसकी सफ़ेद चिलचिलाहटों में है अजीब

इनकार एक सूना!!

2. **कोसल में विचारों की कमी है** (https://www.hindwi.org/kavita/kosal-mein-wicharon-ki-kami-hai-shrikant-verma-kavita)
- श्रीकांत वर्मा

महाराज बधाई हो! महाराज की जय हो।
युद्ध नहीं हुआ—
लौट गए शत्रु।

वैसे हमारी तैयारी पूरी थी!
चार अक्षौहिणी थीं सेनाएँ,
दस सहस्त्र अश्व,
लगभग इतने ही हाथी।

कोई कसर न थी!
युद्ध होता भी तो
नतीजा यही होता।

न उनके पास अस्त्र थे,
न अश्व,
न हाथी,
युद्ध हो भी कैसे सकता था?
निहत्थे थे वे।

उनमें से हरेक अकेला था
और हरेक यह कहता था
प्रत्येक अकेला होता है!

जो भी हो,
जय यह आपकी है!

बधाई हो!
राजसूय पूरा हुआ,
आप चक्रवर्ती हुए—

वे सिर्फ़ कुछ प्रश्न छोड़ गए हैं
जैसे कि यह—

कोसल अधिक दिन नहीं टिक सकता,
कोसल में विचारों की कमी है!

सवाल :
1. कविताओं के कथ्य में से पाँच बिंदु चुनकर लिखिए।
2. शब्द-शक्ति (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) को ध्यान में रखते हुए कविताओं पर विस्तार से चर्चा करें।
3. कविताओं की भाषा-शैली में क्या फ़र्क दिखते हैं, इस पर टिप्पणी कीजिए।